आज का सुविचार

मंज़िल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है!

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS

जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है.. संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 96 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 5 दिसम्बर 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

Legal General Knowledge-

क्या आप जानते हैं, बिजली आपका मौलिक अधिकार है, यहां पढ़िए

अपन सभी जानते हैं कि जीवित रहने के लिए भोजन प्राप्त करना भारत में नागरिक का मौलिक अधिकार है। निर्धन नागरिकों को संविधान ने राज्य सरकार से आश्रय प्राप्त करने का अधिकार दिया है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में भारत के नागरिकों के मौलिक अधिकारों के बारे में उल्लेख किया गया है। इन अधिकारों का हनन किसी भी कानून और कार्रवाई के द्वारा नहीं किया जा सकता। वर्तमान युग में जीवन के लिए जितना आवश्यक पानी और ऑक्सीजन है उतनी ही बिजली भी जरूरी हो गई है। बिजली के बिना जीवित रहना मुश्किल हो गया है। सवाल यह है कि क्या बिजली प्राप्त करना भी भारत में नागरिक का मौलिक अधिकार है। आइए इस बारे में हाई कोर्ट का महत्वपूर्ण जजमेंट पढ़ते हैं-

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण जजमेंट- एमके आचार्य बनाम CMD वेस्ट बंगाल स्टेट डिस्ट्रीब्यूशन के लिमिटेड उक्त मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया कि बिजली पाने का अधिकार अनुच्छेद 21 के अंतर्गत दैहिक स्वतंत्रता में आता है क्योंकि वर्तमान समय में बिना बिजली के जीवित रहना संभव नहीं होता है। इसलिए नागरिक को बिजली पाने से वंचित नहीं किया जा सकता है।

राज्यपाल श्री पटेल ने क्रांतिसूर्य टंट्या भील को अर्पित की पुष्पाजंलि

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने जनजातीय नायक क्रांतिसूर्य टंट्या भील के बलिदान दिवस पर पुष्पाजंलि अर्पित की। उनका पुण्य स्मरण कर नमन किया।

राज्य की समृद्ध वन संपदा में चीता मुकुटमणि और कोहिनूर के समान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस पर कूनो नेशनल पार्क में छोड़े 3 चीते

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों के अनुरूप श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में चीतों के पुनर्स्थापन को नई दिशा मिली है। आज अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस के अवसर पर मादा चीता वीरा के साथ उसके दो शावक खुले वन में विचरण के लिए छोड़े गए हैं। राज्य में चीतों की संख्या अब 32 हो गई है। इसमें गांधीसागर अभयारण्य के 3 चीते भी शामिल हैं। कूनो नेशनल पार्क चीतों के पुनर्वास से अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर का केंद्र बन चुका है। कूनो में हमारी धरती पर ही जन्मे तीसरे पीढ़ी के चीते विचरण कर रहे हैं। कूनो में जन्मी मादा चीता मुखी के 5 शावक स्वस्थ हैं, यह सुखद समाचार है। कूनो के चीते अब श्योपुर से मुरैना और राजस्थान की धरती तक दौड़ लगा रहे हैं। राज्य की समृद्ध वन संपदा में चीता मुकुटमणि और कोहिनूर के समान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को श्योपुर जिले के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस पर तीन चीतों को स्वछंद विचरण के लिये बाड़े से अभयारण्य में छोड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की भूमि पर सभी जीव सुरक्षित होंगे।

चीतों का परिवार बढ़ रहा है तेजी से

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश, टाइगर, लैपर्ड और चीता स्टेट है। हमारे जंगल बहुत से वन्यजीवों के आश्रय स्थल हैं। ऐसे में विश्व में पहली बार चीतों का पुनर्स्थापन मध्यप्रदेश में हुआ, इसके लिए वन विभाग के मंत्री और अधिकारी बधाई के पात्र हैं। श्योपुर, कूनो में चीतों के पुनर्स्थापन से पर्यटन में 5 गुना वृद्धि हो चुकी है। चीतों का परिवार जिस तेज गति से बढ़ रहा है, उसी हिसाब से भविष्य में कूनो नेशनल पार्क से विस्थापित लोगों को रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं।

मनुष्य और चीते का संबंध वसुधैब कुटुम्बकम का सबसे सुंदर उदाहरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि चंबल अंचल के स्वच्छ वातावरण में हमारे नागरिक भी चीतों के साथ जीना सीख गए हैं और चीतों से प्रेम भी कर रहे हैं। प्रदेशवासियों में वन्यजीवों एवं प्रकृति के साथ भाईचारे से जुड़ने का स्वभाव है। यह वसुधैब कुटुम्बकम का सबसे सुंदर उदाहरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की धरती पर चीता परियोजना के क्रियान्वयन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव का आभार व्यक्त किया।

अब जितनी बड़ी जमीन, रजिस्ट्री कराने में होगा उतना ही फायदा

हर तहसील में चार श्रेणियों में चिह्नित होंगे क्षेत्र, 10 से 40 फीसदी तक मिलेगी छूट महत्वपूर्ण बदलावों से राजस्व में बढ़ोतरी के साथ आम लोगों को भी मिलेगी राहत अब जितनी बड़ी जमीन, रजिस्ट्री में उतना ही फायदा मिलेगा। जमीन का क्षेत्रफल बढ़ने के साथ छूट का दायरा भी बढ़ेगा। निबंधन विभाग ने गैर कृषि भूमि के बैनामे के लिए यह व्यवस्था प्रस्तावित की है। इसके साथ ही कृषि भूमि की रजिस्ट्री प्रक्रिया में भी बदलाव प्रस्तावित है।

डीएम से हरी झंडी मिलने के बाद इन बदलावों को लागू किया जाएगा। इसके साथ ही रजिस्ट्री के मूल्यांकन की प्रक्रिया को भी काफी आसान बना दिया गया है। पहले गैर कृषि भूमि को दो श्रेणियों में बांटा गया था। एक हजार वर्गमीटर से कम जमीन की रजिस्ट्री पर प्रति वर्गमीटर निर्धारित सर्किल रेट के आधार पर मूल्यांकन होता था जबकि एक हजार से अधिक वर्गमीटर की जमीन पर मूल्यांकन में 20 फीसदी की छूट दी जाती थी और मूल्यांकन के 80 फीसदी पर स्टाम्प ड्यूटी लगती थी।

वहीं, बड़ी जमीन के मूल्यांकन: दो हजार वर्गमीटर तक की कृषि भूमि पर 40 फीसदी तक छूट अब दो हजार वर्गमीटर की कृषि भूमि का बैनामा कराने पर मूल्यांकन में 20 से 40 फीसदी तक की छूट दी जाएगी। साथ ही मूल्यांकन की प्रक्रिया काफी आसान हो जाएगी। निबंधन विभाग ने पहले कृषि भूमि को 500 वर्गमीटर के भीतर, 500 से 1000, 1000 से 1500 और 1500 से 2000 वर्ग मीटर तक की चार चार श्रेणियों में विभाजित कर रखा था। बैनामे के वक्त चार तरह से मूल्यांकन करना पड़ता था, जिसकी प्रक्रिया काफी जटिल थी। नई व्यवस्था के तहत 5000 वर्गमीटर, 1000 वर्गमीटर, 1500 वर्गमीटर व 2000 वर्गमीटर तक की जमीन के बैनामे के मूल्यांकन का एक फॉर्मूला होगा और अलग-अलग क्षेत्रवार चार श्रेणियों ए, बी, सी एवं डी के अनुसार मूल्यांकन में 20 से 40 फीसदी तक छूट मिलेगी। 2000 मीटर से अधिक कृषि भूमि के बैनामे पर सामान्य खेती की दरें लागू होंगी। की प्रक्रिया काफी जटिल थी। उदाहरण के तौर पर अगर 2000 वर्गमीटर जमीन का बैनामा करना होता था तो उसे 500-500 वर्गमीटर के चार भागों में बांट कर चारों भागों के लिए अलग-अलग दरें निर्धारित कर मूल्यांकन किया जाता था। ऐसे मामलों में अक्सर विवाद भी होता था और स्टाम्प वादों की संख्या भी तेजी से बढ़ती थी।

अव जो व्यवस्था लागू होने जा रही है, उसके तहत गैर कृषि भूमि का एक रेट पर मूल्यांकन: किया जाएगा। 500 वर्गमीटर से कम जमीन के बैनामे पर कोई छूट नहीं मिलेगी जबकि 500 से 1000 वर्गमीटर तक 10 फीसदी, 1000 से 2000 वर्गमीटर की जमीन के बैनामे पर 20 फीसदी, 2000 से 5000 वर्गमीटर तक 30 फीसदी और 5000 वर्गमीटर से अधिक जमीन के बैनामे पर मूल्यांकन में 40 फीसदी तक की छूट दी जाएगी।

हर तहसील में गैर कृषि भूमि चार श्रेणियों में रखी जाएगी। सबसे सर्किल रेट के निर्धारण व बैनामे की प्रक्रिया में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव प्रस्तावित हैं, ताकि आम जनता को फायदा मिले और बैनामे की प्रक्रिया को आसान बनाया जा सके। डीएम से मंजूरी मिलने के बाद नई व्यवस्थाएं लागू की जाएंगी।

- राकेश चंद्रा, एआईजी, स्टाम्प ज्यादा विकसित जगह को ए श्रेणी और इसके बाद विकास के घटते क्रम के अनुरूप बी, सी व डी श्रेणी में जमीनें चिह्नित की जाएंगी। इस व्यवस्था के तहत भूखंड जितना बड़ा होगा, उसके बैनामा कराने में उतना ही फायदा होगा। खास यह कि बड़े भूखंड को अलग-अलग भागों में विभाजित कर रेट निर्धारित नहीं किया जाएगा, बल्कि एक भूखंड के लिए एक रेट होगा। इससे मूल्यांकन की प्रक्रिया काफी आसान हो जाएगी।

सनातन धर्म और भारत विरोधी है हिन्दू राष्ट्र की मांग : अतर सिंह भारतीय

लेखक
सामाजिक कार्यकर्ता
अतर सिंह भारतीय, मप्र

वैसे तो ज्ञान के मामले में भारत दुनिया का सिरमौर रहा है। भारत बुद्ध, महावीर, चार्वाक, संत रविदास, स्वामी रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ओशो, बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर, डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम आजाद जैसे कई महापुरुषों की धरती है। ऐसे में यदि भारत, हिंदू राष्ट्र बन जायेगा तो न सिर्फ सनातन धर्म के वसुधैव कुटुंबकम् जैसे पवित्र आध्यात्मिक विचार की हत्या है बल्कि उन वीर शहीदों का भी अपमान है जिन्होंने भारत को विदेशियों की गुलामी से आज़ादी दिलवाने के लिए अपने सर्वस्व को न्यौछावर कर दिया था। चूंकि भारत विभिन्न दर्शन और विचारधाराओं की कर्म भूमि है। वीर शहीदों ने हिंदू राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहूति नहीं दी थी बल्कि भारत को विश्व का सर्व श्रेष्ठ धर्म निरपेक्ष राष्ट्र के निर्माण हेतु अपनी रियासतों को विलेय किया था। हिन्दू राष्ट्र की मांग से उन संतों का भी अपमान है जो विश्व के कल्याण का भाव रखते हैं। यदि भारत को हिंदू राष्ट्र बना दिया जाएगा तो विभिन्न प्रकार की कई समस्याएं उत्पन्न हो जाएंगी।

- **असमानता**- हिंदू राष्ट्र में गैर-हिंदू समुदायों को समान अधिकार नहीं मिलेंगे, जिससे असमानता बढ़ जायेगी।
- **धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन**- हिंदू राष्ट्र बनने से भारत की धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन हो जायेगा जोकि संविधान के खिलाफ है।
- **सामाजिक तनाव**-हिंदू राष्ट्र बनने से देश में सामाजिक तनाव बढ़ जायेगा, जिससे देश की एकता और अखंडता को खतरा है।
- **आर्थिक नुकसान**- हिंदू राष्ट्र बनने से देश की आर्थिक स्थिति पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय निवेशक और व्यापारिक समुदाय धर्मनिरपेक्ष देश में ही निवेश करना पसंद करते हैं।

संभावित परिणाम

- **गृह युद्ध**- हिंदू राष्ट्र बनने से गृह युद्ध की संभावना बढ़ जाएगी, जिससे देश की एकता और अखंडता को खतरा होगा।
- **अंतर्राष्ट्रीय दबाव**- हिंदू राष्ट्र बनने से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का दबाव बढ़ेगा, जिससे देश की विदेश नीति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
- **संविधान संशोधन**- हिंदू राष्ट्र बनने के लिए संविधान संशोधन करना होगा, जो एक जटिल और विवादास्पद प्रक्रिया होगी। इस प्रक्रिया में संसद के सदनों में हिंसा भड़क सकती है।

महिलाओं पर प्रभाव

- महिलाओं के अधिकारों में कमी आ जाएगी, जैसे कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों में नकारात्मक असर पड़ेगा।
- महिलाओं के खिलाफ हिंसा और भेदभाव बढ़ जायेगा।
- महिलाओं की स्वतंत्रता और स्वायत्तता पर अंकुश लग जायेगा।

कृषक समुदाय पर प्रभाव

- किसानों को अपनी जमीन और फसलों के लिए संघर्ष करना पड़ेगा।
- कृषि क्षेत्र में निवेश और विकास में कमी आ जायेगी।
- किसानों की आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों पर प्रभाव

- दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों में कमी आ जायेगी, जैसे कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों में कमी हो जायेगी।
- उनके खिलाफ हिंसा और भेदभाव बढ़ सकता है।
- उनकी जमीन और संसाधनों पर कब्जा हो सकता है।
- उनकी आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।
-हिंदू राष्ट्र बनने से गैर-हिंदुओं को कई नुकसान हो सकते हैं।

धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन

- गैर-हिंदुओं को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता नहीं मिलेगी।
- उनके धर्म के प्रति भेदभाव और हिंसा बढ़ सकती है।
- उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान खतरे में पड़ सकती है।

सामाजिक और आर्थिक नुकसान

- गैर-हिंदुओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों में भेदभाव का सामना करना पड़ सकता है।
- उनकी आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।
- उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से हाशिए पर धकेला जा सकता है।

राजनीतिक नुकसान

- गैर-हिंदुओं को राजनीतिक अधिकारों से वंचित किया जा सकता है।
- उनकी आवाज दबाई जा सकती है और उनकी राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम हो सकती है।
- उन्हें राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर रखा जा सकता है।

लोकतंत्र की मूलभूत संरचना का उल्लंघन

हिंदू राष्ट्र बनने से लोकतंत्र की मूलभूत संरचना का उल्लंघन होगा, जो संविधान के खिलाफ है। इससे न्यायपालिका, विधायिका, और कार्यपालिका की स्वतंत्रता प्रभावित होगी।

अंतर्राष्ट्रीय दबाव

हिंदू राष्ट्र बनने से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का दबाव बढ़ेगा, जिससे देश की विदेश नीति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे देश की आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होगी।

हिंदू राष्ट्र की मांग करने से संविधान का खुला उल्लंघन है।

हिंदू राष्ट्र की मांग संविधान का खुला उल्लंघन है

- हिंदू राष्ट्र की मांग करना संविधान के अनुच्छेद 1(1) का उल्लंघन है, जो भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य घोषित करता है।
- यह अनुच्छेद 25 से 28 का भी उल्लंघन है, जो धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करते हैं।
- यह अनुच्छेद 14 और 15 का भी उल्लंघन है, जो समानता का अधिकार देता है और भेदभाव का निषेध करता है।

भारत को हिंदू राष्ट्र बनने से रोकने के लिए समस्त देश वासियों को देश के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने की आवश्यकता है। सभी सामाजिक और राजनीतिक संगठनों को सामूहिक रूप से जरूरी सहमति के लिए निम्नलिखित रूप से कार्य करने चाहिए।

सामाजिक और राजनीतिक जागरूकता

- लोगों को संविधान और धर्मनिरपेक्षता के महत्व के बारे में जागरूक करना।
- हिंदू राष्ट्र के खतरों के बारे में लोगों को जागरूक करना।
- सामाजिक और राजनीतिक संगठनों को एकजुट करना।

राजनीतिक कार्रवाई

- राजनीतिक दलों और नेताओं से धर्मनिरपेक्षता की रक्षा करने का दबाव बनाना।
- हिंदू राष्ट्र की मांग करने वाले दलों का विरोध करना।
- चुनावों में धर्मनिरपेक्ष दलों का समर्थन करना।

संवैधानिक उपाय

- सुप्रीम कोर्ट में हिंदू राष्ट्र की मांग को चुनौती देना।
- संविधान के अनुच्छेद 32 का उपयोग करके धर्मनिरपेक्षता की रक्षा करना।
- संसद में धर्मनिरपेक्षता की रक्षा करने वाले कानून पारित करना।

चूंकि सनातन धर्म के मूल सिद्धांत में एकता, समरसता, सहिष्णुता और आध्यात्मिकता है। जबकि हिंदू राष्ट्र यानि संकीर्णता का भाव है। भारत के नव निर्माण में सभी धर्मों, पंथों का योगदान है। अत: सिद्ध होता है कि भारत की खूब सूरती लोकतांत्रिक धर्म निरपेक्षता ही है तब भारत में हिन्दू राष्ट्र की भावना ही सनातन धर्म और भारत विरोधी है जोकि अखण्ड भारत को खंड - खंड करना चाहती है।

नाबालिक बालिका से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर /बिजुरी। जिले के थाना बिजुरी पुलिस टीम ने 12 वर्ष की नाबालिका बालिका से बलात्कार करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पीड़िता ने थाना में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई। परिजनों ने बताया की 29 नवंबर 2025 को हम सभी परिवार के लोग खेत मे धान काटने चले गये थे मेरी 12 वर्ष एवं 10 वर्ष की नाबालिक लडकियां तथा 06 वर्ष का लडका घर पर अकेले थे। दोपहर में जब मेरी 12 वर्ष की बेटी घर में अकेली थी तभी गांव का सूरज पटेल घर

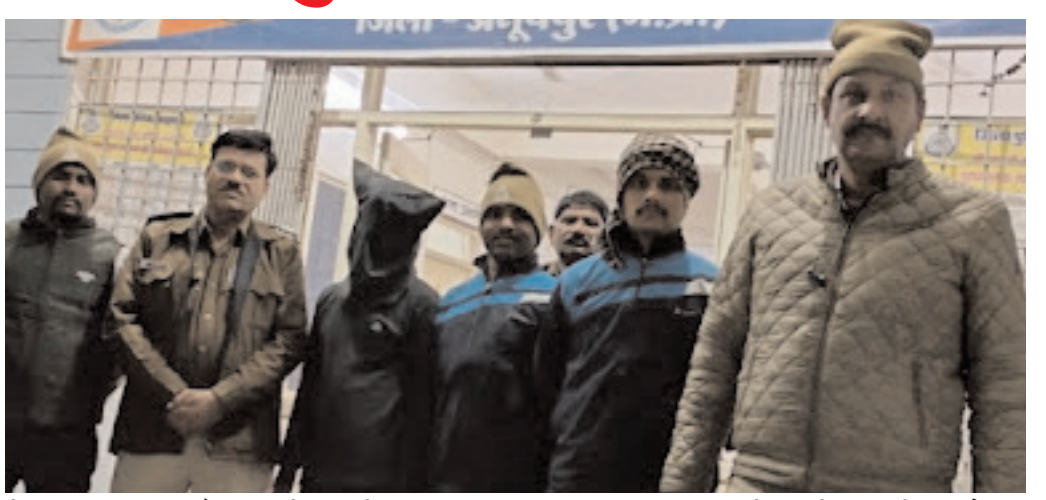

में घुस आया और उससे पूछने लगा कि तुम्हारी दादी कहां है तो वह बोली कि मम्मी पापा के साथ धान काटने खेत गई है, यह सुनकर वह मेरी बेटी को अकेली पाकर उसे पकड के जमीन में पटक दिया और उसके साथ दुष्कर्म किया, रिपोर्ट पर थाना बिजुरी मे अपराध क्र 386/25 धारा 654(1), 332(बी) बीएनएस, 3,4 पाक्सो एक्ट 3(2)(व्ही) एससी/एसटी एक्ट का कायम कर अनुसंधान में लिया गया।

आरोपी सूरज पटेल की जो घटना के बाद फरार हो गया था उसकी लगातार तलाश कर रिपोर्ट के 24 घंटे के अंदर आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में लिया जाकर पूछताछ की गई जिसने अपना जुर्म स्वीकार किया। बिजुरी पुलिस द्वारा नाबालिग से बलात्कार के आरोपी सूरज पटेल निवासी थाना बिजुरी को गिरफ्तार कर न्यायालय मे पेश किया गया।

राष्ट्रव्यापी अभियान अंतर्गत मृत व्यक्तियों के दो करोड़ से अधिक आधार नंबर यूआईडीएआई ने निष्क्रिय किए

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार डेटाबेस की निरंतर सटीकता बनाए रखने के लिए राष्ट्रव्यापी सफाई अभियान के तहत मृत व्यक्तियों के 2 करोड़ से अधिक आधार नंबरों को निष्क्रिय कर दिया है यूआईडीएआई ने भारत के महापंजीयक (आरजीआई), राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम आदि से मृतक व्यक्तियों का डेटा प्राप्त किया है। वह मृतक व्यक्तियों का डेटा प्राप्त करने के लिए वित्तीय संस्थानों और अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग करने पर भी विचार कर रहा है। किसी भी व्यक्ति को आधार संख्या कभी भी पुन: आवंटित नहीं की जाती। किसी व्यक्ति की मृत्यु की स्थिति में संभावित पहचान धोखाधड़ी या कल्याणकारी लाभ प्राप्त करने के लिए आधार संख्या के अनधिकृत उपयोग को रोकने के लिए उसका आधार नंबर निष्क्रिय करना आवश्यक है। यूआईडीएआई ने इस वर्ष की शुरुआत में एक सुविधा भी शुरू की है - परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु की सूचना देना - जो वर्तमान में नागरिक पंजीकरण प्रणाली का उपयोग करने वाले 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पंजीकृत मृत्यु के लिए मायआधार पोर्टल पर उपलब्ध है। शेष राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों के लिए पोर्टल के साथ एकीकरण की प्रक्रिया अभी चल रही है। परिवार के सदस्य को स्वयं को प्रमाणित करने के बाद पोर्टल पर मृतक व्यक्ति का आधार नंबर और मृत्यु पंजीकरण संख्या के साथ-साथ अन्य जनसांख्यिकीय विवरण भी प्रदान करना आवश्यक है। परिवार के सदस्य द्वारा प्रस्तुत जानकारी के सत्यापन की उचित प्रक्रिया के बाद मृतक व्यक्ति के आधार नंबर को निष्क्रिय करने या अन्यथा आगे की कार्रवाई की जाती है। यूआईडीएआई आधार संख्या धारकों को मृत्यु पंजीकरण प्राधिकारियों से मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद मायआधार पोर्टल पर अपने परिवार के सदस्यों की मृत्यु की सूचना देने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

थप्पड़ मारने संबंधित घटना पर तत्काल एक्शन नायब तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस जारी

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

समाचारो के माध्यम से जानकारी मिलने पर खाद वितरण में विवाद को गंभीरता से लेते हुए छतरपुर कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने शासकीय सेवा अनुरूप कर्तव्य निर्वहन आचरण में लापरवाही बरतने के संबंध में नायब तहसीलदार श्रीमती ऋतु सिंघई नायब तहसीलदार सौरा मंडल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। गौरतलब है कि मण्डी परिसर में खाद वितरण के दौरान खाद लेने आई एक छात्रा को थप्पड़ मारने की खबर पर तत्काल संज्ञान लेते हुए कलेक्टर ने नोटिस जारी कर कहा है कि नायब तहसीलदार का कृत्य म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के विपरीत है। अतएव उक्त संबंध में आप अपना स्पष्टीकरण आज ही प्रस्तुत करें कि क्यों न उक्त लापरवाही के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए। जवाब समय सीमा में एवं संतोषप्रद नहीं पाये जाने पर संबंधित के विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने लड़ाकू विमान एस्केप सिस्टम का सफल उच्च गति रॉकेट-स्लेज परीक्षण किया

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लड़ाकू विमान एस्केप सिस्टम का नियंत्रित वेग से सफल उच्च गति रॉकेट-स्लेज परीक्षण किया है। चंडीगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेड सुविधा में किए गए इस परीक्षण में कैनोपी सेवरेंस, इजेक्शन सीक्वेंसिंग और संपूर्ण एयरक्रू-रिकवरी की पुष्टि हुई। यह परीक्षण एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (ष्ठ) और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (ारु) के सहयोग से किया गया। यह जटिल गतिशील परीक्षण भारत को उन्नत इन-हाउस एस्केप सिस्टम परीक्षण क्षमता वाले देशों के क्लब में शामिल करता है। गतिशील इजेक्शन परीक्षण, नेट टेस्ट या ज़ीरो-ज़ीरो टेस्ट जैसे स्थैतिक परीक्षणों की तुलना में काफ़ी जटिल होते हैं और इजेक्शन सीट के प्रदर्शन और कैनोपी सेवरेंस सिस्टम की प्रभावकारिता के मूल्यांकन का वास्तविक मापक हैं। एलसीए विमान के अग्रभाग के साथ एक दोहरे स्लेज सिस्टम को कई ठोस प्रणोदक रॉकेट मोटर्स के चरणबद्ध प्रज्वलन के माध्यम से सटीक रूप से नियंत्रित वेग से प्रक्षेपित किया गया।कैनोपी फेज़िलाइज़ेशन पैटर्न, इजेक्शन सीक्वेंसिंग और संपूर्ण एयरक्रू रिकवरी प्रक्रिया को एक इंस्ट्रूमेंटेड एंथ्रोपोमॉर्फिक टेस्ट डमी का उपयोग करके सिम्युलेट किया गया, जिसने इजेक्टेड पायलटों द्वारा अनुभव किए जाने वाले महत्वपूर्ण भार, क्षण और त्वरण को रिकॉर्ड किया। पूरे अनुक्रम को ऑनबोर्ड और ग्राउंड-आधारित इमेजिंग सिस्टम के माध्यम से कैप्चर किया गया। इस परीक्षण को भारतीय वायु सेना (स्न) और इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन एंड सर्टिफिकेशन के अधिकारियों ने देखा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ, भारतीय वायुसेना, एडीए, एचएएल और उद्योग जगत को बधाई दी।

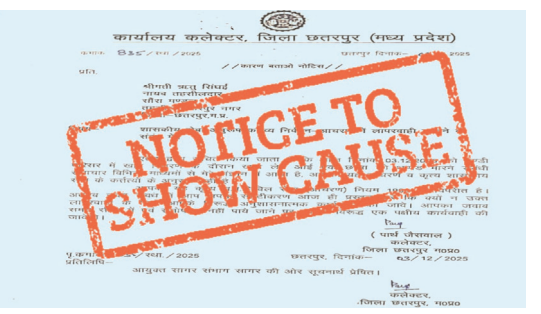

अभद्र बयान के विरोध में विप्र समाज का उफान, विरोध सभा व पुतला दहन, प्रशासन को सौपा ज्ञापन, कार्यवाही की मांग

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। अजाक्स कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण समाज के प्रति कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में मंगलवार को अनूपपुर में व्यापक जनाक्रोश देखने को मिला। जिला विप्र समाज, अखिल भारतीय एकीकृत ब्राह्मण परिषद, अखंड ब्राह्मण समाज एवं आर्यावर्त ब्राह्मण महासभा के संयुक्त तत्वावधान में इंदिरा चौक हॉस्पिटल के समीप विशाल विरोध सभा एवं पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से सैकड़ों विप्रजन, मातृशक्ति एवं युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। विरोध कार्यक्रम की सबसे प्रमुख विशेषता रही समाज की मातृशक्ति की सशक्त उपस्थिति। महिलाओं ने संतोष वर्मा का पुतला दहन कर अपना आक्रोश प्रकट किया तथा प्रतीकात्मक रूप से

चूड़ियाँ भेंट कर यह संदेश दिया कि किसी भी समाज की महिलाओं की गरिमा पर प्रहार किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। जय जय परशुराम और ब्राह्मण समाज एक हो के नारे से पूरा क्षेत्र गूँज उठा। इंदिरा चौक पर बनाए गए विशाल पंडाल में जैतहरी, कोतमा, बिजुरी, बर्थरई, बरगवां, देवहरा,कोतमा, मेड़ियारास,वैंक्टनगर, सहित दूरस्थ अंचलों से श्रद्धालु और समाजजन पहुंचे। विरोध पूरी तरह अनुशासित रहा। विरोध की गंभीरता को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारी स्वयं सभा स्थल पर पहुंचे और ज्ञापन प्राप्त किया। ज्ञापन में संतोष वर्मा पर तत्काल स्क्र दर्ज करने एवं कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग प्रमुख रही।सभा में अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, ब्राह्मण संगठनों के प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ पदाधिकारी के अलावा मातृशक्ति की रही उपस्थिति रहे। वक्ताओं ने कहा कि यह मामला किसी एक संगठन का नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक मर्यादा, सम्मान और अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न है।वक्ताओं ने चेताया कि यदि संतोष वर्मा पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो जिलेभर में चरणबद्ध और व्यापक आंदोलन खड़ा किया जाएगा।जनभावनाओं की गंभीरता और भीड़ की व्यापकता को देखते हुए नायब तहसीलदार मंगलदास चक्रवर्ती अपनी टीम के साथ पंडाल में पहुंचे और आयोजकों से ज्ञापन प्राप्त किया। संतोष वर्मा पर तत्काल एफआईआर,कठोर दंडात्मक कार्रवाई, समाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले बयानों पर कानूनी नियंत्रण प्रमुख रूप से रहा।

आयुष्मान उप स्वास्थ्य केंद्र बदरा की छत गिरी, CHO और मरीज बाल-बाल बचे

आरोग्य मंदिर में जर्जर छत भरभराकर गिरी, ग्रामीणों में दहशत, प्रशासन पर लापरवाही का आरोप

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र बदरा में मंगलवार सुबह बड़ा हादसा होते-होते टल गया। वैक्सीनेशन रूम की जर्जर छत अचानक भरभराकर जमीन पर आ गिरी गनीमत यह रही कि दुर्घटना ठीक उस समय हुई, जब कमरे में मौजूद सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (ष्ट॥ह्र) अंशुमन मिंज एक मरीज को वैक्सीन लगाने के बाद बस बाहर निकली ही थीं। यदि कुछ सेकंड की भी देरी होती, तो बड़ा जीवन संकट खड़ा हो सकता था।

जोरदार धमाके से मची अफरा-तफरी

वैक्सीनेशन रूम की छत गिरते ही पूरे स्वास्थ्य केंद्र में जोरदार धमाका हुआ, जिससे अफरा-तफरी मच गई। स्टाफ और टीकाकरण के लिए आए ग्रामीण दहशत में तुरंत इमारत से बाहर भागे। हादसे में किसी के घायल न होने की खबर से सभी ने राहत की साँस ली।

लापरवाही पर फूटा ग्रामीणों का गुस्साः स्थानीय ग्रामीणों ने इस घटना के लिए सीधे तौर पर स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। ग्रामीणों ने बताया कि उप स्वास्थ्य केंद्र की इमारत और विशेष रूप से छत लंबे समय से अत्यंत जर्जर हालत में थी।ग्रामीणों के अनुसार, उन्होंने कई बार मौखिक और लिखित रूप में विभाग को इसकी मरम्मत के लिए सूचित किया था, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने इस गंभीर समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया। ग्रामीण ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा, इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी मंगलवार देर शाम तक विभागीय टीम मौके पर नहीं पहुँची है। प्रशासन की यह अनदेखी साफ दर्शाती है कि उन्हें जनता की सुरक्षा की कितनी चिंता है।

उच्च स्तरीय जांच की उठ रही मांगः ग्रामीणों ने मांग की है कि ऐसे जर्जर भवनों में संचालित हो रहे स्वास्थ्य केंद्रों का तत्काल निरीक्षण किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए, जिनकी लापरवाही के कारण आम जनता का जीवन खतरे में डाला जा रहा है।

एम्स भोपाल में आरोग्य मंथन-2

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संगोष्ठी में एकीकृत स्वास्थ्य प्रणाली पर चर्चा

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

एम्स भोपाल ने आरोग्य भारती के सहयोग से आरोग्य मंथन-2 का आयोजन किया, जिसका मुख्य विषय था एक राष्ट्र,एक स्वास्थ्य प्रणाली ङ्क वर्तमान समय की आवश्यकता। संगोष्ठी में निवारक स्वास्थ्य, एकीकृत चिकित्सा और आधुनिक तथा पारंपरिक उपचारों के समन्वय से प्रभावी समाधान के महत्व पर चर्चा की गई।एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक, प्रो. डॉ. माधवानंद कर ने सभी को अपने शरीर का अच्छे से ध्यान रखने, नियमित उपवास जैसी अनुशासित आदतें अपनाने और आधुनिक एवं पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की अनावश्यक तुलना से बचने की सलाह दी। मुख्य वक्ता डॉ. सुरेश पाटणकर प्रसिद्ध यूरो सर्जन, पुणे ने रोबोटिक सर्जरी में प्रगति और भारत में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों में वृद्धि पर विचार साझा किए। डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय राष्ट्रीय संगठन सचिव, आरोग्य भारती ने व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल और निवारक उपायों के महत्व को रेखांकित किया। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने जागरूकता और शिक्षा संबंधी पहलों के महत्व को बताया।

एड्स मरीजों के उपचार में आने वाली बाधाएँ एवं उनसे सम्बंधित विधिक प्रावधान विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम दिनांक 1 दिसंबर 20025 एड्स जागरूकता दिवस पर शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में एड्स मरीजों के उपचार में आने वाली बाधाएँ एवं उनसे सम्बंधित विधिक प्रावधान विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। परिचर्चा का उद्देश्य विद्यार्थियों में एड्स संबंधी मिथकों का निराकरण करना तथा उपचार, अधिकार और कानूनों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना था। परिचर्चा प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ तथा अध्यक्षता विभागाध्यक्ष श्री शिवाकांत मौर्य ने की, उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि एड्स उपचार में सामाजिक कलंक सबसे बड़ी बाधा है, जिसे जागरूकता एवं विधिक संरक्षण के माध्यम से कम किया जा सकता है। एचआईवी और एड्स रोकथाम और नियंत्रण अधिनियम, 2017 रोगियों के गोपनीयता और भेदभाव-रहित उपचार के अधिकारों को मजबूती प्रदान करता है। परिचर्चा में विद्यार्थियों ने भी अपने विचार साझा किए। वंदना एलएल. बी तृतीय वर्ष ने कहा एड्स से लड़ने में जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण है। कानून तो सुरक्षा देता है, लेकिन समाज की सोच बदले बिना परिवर्तन संभव नहीं। स्वाति एलएल. तृतीय वर्ष ने अपने विचार रखते हुए कहा कि एचआईवी पीड़ितों को संवैधानिक अधिकारों सहित सम्मानजनक व्यवहार मिलना आवश्यक है। रोशनी नरवरिया एलएल.बी तृतीय वर्ष ने एड्स पीड़ितों की सबसे बड़ी चुनौती सामाजिक उपेक्षा है। विधिक प्रावधान उन्हें सुरक्षित और बराबरी का उपचार सुनिश्चित करते हैं। परिचर्चा का संचालन राजदीप भदोरिया ने किया तथा डा महेंद्र कुमार पटेल ने आभार व्यक्त किया तथा रिपोर्टिंग का उत्तरदायित्व डा ओम् शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वयंसेवको को सहभागिता रही तथा सभी ने संकल्प लिया की समाज में एड्स को लेकर फैली भ्रांतियों तथा भ्रम को दूर करेंगे।

खूबसूरत आब्जेक्ट है एंजॉय के लिए,
पत्नी के अइसे येअर्थ बातात हे।
बिन आंखी ये उतियइल हा,
नारी सम्मान मा आगी लगात हे।।
अंधभक्त हो अब तो जागो,
अपन नारी के लाज बचाओ।
ये धरती के बोझ ला तुरते,
जाके एखर औकात देखाओ।।
लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत दुर्ग (छ0ग0)

फोनेटिक्स और संवाद कौशल पर कार्यशाला का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम की प्राचार्य डॉ कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में 2 दिसंबर को फोनेटिक्स और संवाद कौशल पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष शिवाकांत मौर्य ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी कार्यशाला आयोजित होते रहने से विद्यार्थियों में कानूनी संवाद कौशल का विकास होता है। कार्यशाला के मुख्य वक्ता डा अभिषेक सिंह ने विद्यार्थियों फोनेटिक्स की अवधारणा का परिचय देते हुए स्पीच साउंड के अध्ययन को समझाते हुए इसकी शाखाओं आर्टिकूलटरी फोनेटिक्स और आडिटरी फोनेटिक्स पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। अधिवक्ताओं के फोनेटिक्स की अवधारणाएं जैसे सही उच्चारण, ध्वनियों, स्ट्रेस, इंटोनेशन, पिच और टोन के प्रयोग की विस्तृत जानकारी उदाहरणों के माध्यम से समझाया । उन्होंने कोर्टरूम कम्युनिकेशन, क्लाइंट काउंसलिंग, साक्ष्य प्रस्तुत करते समय उपयोगी भाषा-

कौशल तथा सार्वजनिक भाषण के व्यावहारिक टिप्स भी साझा किए। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने समूह-गतिविधियों, संवाद-अभ्यास, वॉयस मॉड्यूलेशन एक्टिविटी और प्रेज़ेंटेशन ड्रिल्स में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कई विद्यार्थियों ने इसे न्यायिक क्षेत्र में अपने भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। इस प्रकार यह कार्यशाला विधि विद्यार्थियों के लिए भाषा दक्षता, आत्मविश्वास और प्रभावी कानूनी संप्रेषण कौशल विकसित करने की दिशा में अत्यंत सफल सिद्ध हुई।

बाल मेला ओर बाल प्रदर्शनी मेला का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार बुधनी। शास हाई स्कूल खेरी सिलगेना में बाल मेला ओर बाल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया इस मेले में संकुल प्राचार्य सचिन भार्गव , शासकीय हाई सेकेंडरी नादनेर प्राचार्य लाल सिंह चौहान, शाला प्रभारी प्राचार्य संजीव चौहान, जनशिक्षक रूपनारायण तिवारी ओर शाला के शिक्षक एवं अतिथि शिक्षक उपस्थित रहे।

सड़क कहे या मौत का रास्ता डोला-कॉलरी व नगर परिषद की बड़ी लापरवाही

सड़क पर गड्ढे या गड्ढे पर सड़क डोला तिराहा बना हादसों का अड्डा, हमेशा होते रहती है घटना

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

बिजुरी से मनेन्द्रगढ़ मार्ग पर स्थित डोला तिराहा की सड़क नहीं, बल्कि यह नगर परिषद डोला और कॉलरी प्रबंधन की घोर आपराधिक अनदेखी का खुला प्रमाण है। गहरे और चौड़े गड्ढों में तब्दील यह व्यस्त तिराहा हर दिन दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है। दोनों ही जिम्मेदार संस्थाओं की इस लापरवाही के कारण कभी भी कोई बड़ी जनहानि या सामूहिक दुर्घटना होने की आशंका प्रबल हो गई है और जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से पलडा झाड़ते दिखाई दे रहे हैं!

अनूपपुर बिजुरी-मनेन्द्रगढ़ मार्ग पर स्थित डोला तिराहा की सड़क नहीं, बल्कि यह नगर परिषद डोला और कॉलरी प्रबंधन की घोर लापरवाही का जीता-जागता प्रमाण बन चुका है। गड्ढों की वजह से जर्जर हो चुकी यह सड़क अब यमदूत का काम कर रही है। इन दोनों जिम्मेदार संस्थाओं की मिलीभगत और अनदेखी ने क्षेत्र की जनता को मौत के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है, जिसके चलते किसी भी वक्त बड़ी घटना होने की आशंका पैदा हो गई है।

कॉलरी और नगर परिषद को क्या किसी बलिदान का है इंतज़ार: डोला तिराहा क्षेत्र से कॉलरी का भारी परिवहन गुजरता है, जिससे यह स्पष्ट है कि सड़क की बदहाली के लिए कॉलरी प्रबंधन सीधे तौर

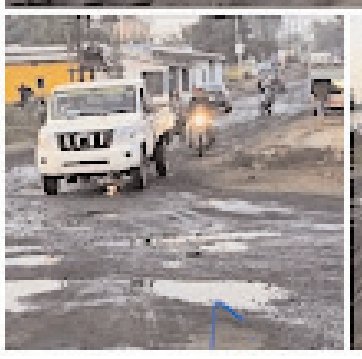

पर जिम्मेदार है, जिसकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह सड़क को दुरुस्त रखे। वहीं क्षेत्र के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और मार्ग को यातायात योग्य बनाए रखना नगर परिषद डोला का कानूनी दायित्व है।

जिम्मेदारों ने अपनी जिम्मेदारी से झारा पलरा: स्थानीय लोग बताते हैं कि जब भी वे शिकायत करते हैं, तो नगर परिषद कहती है कि यह कॉलरी क्षेत्र है और कॉलरी प्रबंधन कहता है कि यह नगर परिषद की सीमा में आता है। जिम्मेदारी को एक-दूसरे पर थोपने के इस खेल में पिस रही है केवल आम जनता।

नजर अंदाज किए गए हादसे

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, पिछले दो महीने में डोला तिराहे पर छोटे-बड़े सैंकड़ो से अधिक हादसे हो चुके हैं, जिनमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इसके बावजू, न तो कॉलरी के उच्च अधिकारी और न ही नगर परिषद के अध्यक्ष/मुख्य नगरपालिका अधिकारी की नींद टूटी है।

बड़ी दुर्घटना का ख़तरा

भारी कोयला ट्रकों के गुजरने और गड्ढों के कारण अक्सर छोटे वाहन अनियंत्रित हो जाते हैं। स्थानीय निवासियों का डर है कि किसी भी दिन इन ट्रकों की टक्कर से कोई यात्री बस या कई दोपहिया वाहन चालक एक साथ शिकार हो सकते हैं, जिससे बड़ी जनहानि हो सकती है।वही स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर परिषद और कॉलरी प्रबंधन दोनों ने मिलकर इस सड़क को मौत का जाल बना दिया है। ये तब तक कार्रवाई नहीं करेंगे, जब तक यहा किसी गरीब की जान नहीं चली जाती। इनकी मिलीभगत से जानबूझकर ये अनदेखी की जा रही है।

कठोर कार्रवाई की मांग, आखिर कब चुप्पी तोड़ेंगे जिम्मेदार अधिकारी: स्थानीय जनता जिम्मेदार से मांग की है कि प्रशासन तत्काल प्रभाव से नगर परिषद डोला के पदाधिकारियों और कॉलरी प्रबंधन के जिम्मेदार अधिकारियों पर जनता की जान जोखिम में डालने और कर्तव्य में लापरवाही बरतने के लिए कठोर कानूनी कार्रवाई करे।

माँ गायत्री–वेद माता और शक्ति का स्वरूप

गायत्री मंत्र सनातन धर्म का सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र मंत्र माना जाता है, और इसी मंत्र की अधिष्ठात्री देवी को माँ गायत्री कहा जाता है। उन्हें वेद माता के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि चारों वेदों की उत्पत्ति उन्हीं से मानी जाती है। माँ गायत्री केवल एक देवी नहीं, बल्कि ज्ञान, शक्ति और पवित्रता का साक्षात स्वरूप हैं।

माँ गायत्री का स्वरूप और महत्व

हिन्दू धर्मग्रंथों में, माँ गायत्री को अक्सर पांच मुखों (पंचमुखी) और दस भुजाओं वाली देवी के रूप में दर्शाया जाता है। ये पाँच मुख क्रमशः पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश—इन पंच तत्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनसे यह संपूर्ण सृष्टि बनी है। दस भुजाएं उन्हें धारण करने वाली दस शक्तियों का प्रतीक हैं। उनका वाहन हंस है, जो विवेक और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। माँ गायत्री को सविता (सूर्य) की शक्ति माना जाता है, इसलिए उन्हें सविता देवी भी कहते हैं।

माँ गायत्री की आराधना का मूल केंद्र गायत्री मंत्र है। यह मंत्र ऋग्वेद के मंडल 3, सूक्त 62, श्लोक 10 में उल्लिखित है।

भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात्।।

इस मंत्र का शाब्दिक अर्थ है उस प्राणस्वरूप, दुःखनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पाप नाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अपनी अंतरात्मा में धारण करें। वह परमात्मा हमारी बुद्धि को सन्मार्ग की ओर प्रेरित करे।

वेद माता और त्रिदेवी

माँ गायत्री को वेद माता इसलिए कहा जाता है क्योंकि वे समस्त ज्ञान और चेतना का मूल स्रोत हैं। यह माना जाता है कि बिना गायत्री की कृपा के वेदों का ज्ञान प्राप्त करना असंभव है।

उन्हें ब्रह्मा, विष्णु और महेश (शिव) की शक्तियों का संयुक्त रूप भी माना जाता है, इसलिए उन्हें त्रिदेवी (सरस्वती, लक्ष्मी और पार्वती) का समन्वय भी कहा जाता है। वे ब्रह्मा की शक्ति के रूप में सृष्टि का ज्ञान देती हैं (सरस्वती)। वे विष्णु की शक्ति के रूप में पालन के लिए सुख-समृद्धि देती हैं (लक्ष्मी)। वे शिव की शक्ति के रूप में पापों का नाश करती हैं (पार्वती/दुर्गा)। इस प्रकार, माँ गायत्री समस्त शक्तियों की आधारशिला हैं।

आराधना का फल

गायत्री मंत्र का जाप और माँ गायत्री की उपासना करने वाले व्यक्ति को न केवल आध्यात्मिक लाभ मिलते हैं, बल्कि उसके भौतिक जीवन में भी सुधार आता है। नियमित जाप से-

बुद्धि और एकाग्रता- साधक की बुद्धि तीव्र होती है और मन एकाग्र होता है।

मानसिक शांति- भय, तनाव और नकारात्मक विचार दूर होते हैं।

स्वास्थ्य लाभ- यह ऊर्जा और आत्मबल प्रदान करता है, जिससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है।

पाप नाश- इसे महापापों का नाश करने वाला माना गया है। माँ गायत्री का सबसे बड़ा पर्व गायत्री जयंती है, जिसे ज्येष्ठ मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है। इस दिन देशभर में विशेष पूजा-अर्चना और यज्ञ का आयोजन होता है।

निष्कर्ष

माँ गायत्री सत्य, ज्ञान और प्रकाश की प्रतीक हैं। उनका मंत्र एक ऐसा महाशक्तिशाली बीज मंत्र है, जिसके जाप से मनुष्य अपने जीवन के अंधकार को दूर करके दिव्य ज्ञान की ओर अग्रसर होता है। वे केवल एक देवी नहीं, बल्कि प्रत्येक मनुष्य के भीतर बैठी विवेक और चेतना की शक्ति हैं, जो हमें सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं।

डॉक्टर ईरा वर्मा (पीएम श्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस महाविद्यालय नर्मदापुरम)

भारत की पहली स्वदेश निर्मित मानवयुक्त पनडुब्बी,गहरे महासागर मिशन के लिए मील का पत्थर

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

चेन्नई तट से 500 मीटर की गहराई पर मत्स्य-6000 पनडुब्बी के आगामी समुद्री परीक्षणों के साथ, भारत अपनी गहरे समुद्र में अन्वेषण क्षमता को बढ़ा रहा है। यह परीक्षण, गहरे समुद्र मिशन के तहत 2027 तक समुद्र तल की गहराई 6,000 मीटर तक पहुँचने की देश की महत्वाकांक्षा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मत्स्य-6000 भारत की पहली स्वदेश निर्मित मानवयुक्त पनडुब्बी है जिसे अति-गहन अन्वेषण के लिए डिज़ाइन किया गया है। राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान के दो प्रशिक्षित वैज्ञानिकों द्वारा संचालित, यह परीक्षण भारत को ऐसे अभियानों को अंजाम देने में सक्षम विशिष्ट राष्ट्रों के समूह में शामिल कर देगा। यह पहल उन्नत समुद्री प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत का प्रयास है। इस पनडुब्बी में प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों की विशेषज्ञता का समावेश है। रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रमुख अनुसंधान प्रयोगशालाओं ने इसमें प्रमुख प्रणालियाँ प्रदान की हैं, जबकि एक एयरोस्पेस प्रणोदन केंद्र में एक विशेष टाइटेनियम कार्मिक क्षेत्र का विकास किया जा रहा है। 28 टन वज़नी इस पनडुब्बी में ली-आयन बैटरी, आपातकालीन बैलस्ट प्रणालियाँ, प्रोपेलर और उच्च-शक्ति वाले संरचनात्मक घटक हैं। आगामी 500 मीटर का गोता, 6,000 मीटर के अंतिम मिशन की ओर पहला कदम है। इतनी गहराई पर अत्यधिक दबाव झेलने के लिए, उन्नत वेल्डिंग तकनीक का उपयोग करके 80 मिमी मोटी दीवारों वाला एक टाइटेनियम गोला तैयार किया जा रहा है। यह यान 30 मीटर प्रति मिनट की गति से यात्रा करता है और वैज्ञानिक नमूने लेने और अवलोकन के लिए रोबोटिक भुजाओं, कैमरों, पोर्टहोल और प्रकाश व्यवस्था से सुसज्जित है।

नशा मुक्ति अभियान पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। शासकीय पीएम श्री एक्सीलेंस महाविद्यालय नर्मदापुरम में नशामुक्ति अभियान पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया महाविद्यालय प्राचार्य डॉ श्री चौकसे सर के मार्गदर्शक पर यह आयोजन किया गया बालिका इकाई राष्ट्रीय सेवा योजना महिला अधिकारी डॉक्टर ईरा वर्मा ने बच्चों को नशा से होने वाले नुकसान के बारे में बताया इस आयोजन मे डाक्टर अमिता जोशी, डाक्टर मंजु मालवी जी, दिनेश सर सहित छात्र छात्रों ने भाग लिया।

दिव्यांगजनों की मदद सबसे बड़ा परोपकार, विश्व दिव्यांग दिवस पर छात्रों से संवाद कार्यक्रम

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, जमुना कॉलरी में कोशिश सेवा समिति, कोतमा कॉलरी के तत्वावधान में छात्र-छात्राओं के साथ एक प्रेरणादायी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता, सम्मान और सहयोग की भावना को मजबूत करना रहा।कार्यक्रम में दिव्यांगजनों के साथ सही व्यवहार, सकारात्मक सोच अपनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्री ईश्वर चंद्र शर्मा ने विद्यार्थियों को सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।भाजपा जिला मीडिया प्रभारी एवं दिव्यांग कल्याण अभिभावक संघ, जिला अनूपपुर के अध्यक्ष श्री राजेश सिंह ने कहा कि दिव्यांगजनों की मदद जीवन का सबसे बड़ा परोपकार है। समाज का प्रत्येक व्यक्ति यदि उनके साथ सहयोग और सम्मान का व्यवहार करे, तो उनका जीवन और भी सशक्त हो सकता है।कोशिश सेवा समिति के सचिव श्री जितेंद्र रजक ने कहा कि दिव्यांग दया के पात्र नहीं, बल्कि अवसर के अधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार छोड़कर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। उन्होंने जानकारी दी कि समिति द्वारा संचालित मानसिक एवं दिव्यांग विकास केंद्र में इस अवसर पर दिव्यांग बच्चों की चित्रकला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।पूर्व युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्री सचिन जायसवाल ने भी छात्रों को दिव्यांगों के सम्मान, सहयोग और सामाजिक सहभागिता पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

26 नवंबर में आष्टा स्थित वीआईटी यूनिवर्सिटी में छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल 28 नवंबर को पहुंचा।

छात्रों और एडमिनिस्ट्रेटिव बॉडी से बात करने का प्रयास किया गया तथा इस पूरी घटना के पीछे की क्या वजह रही, इसकी तासीर को जानने की कोशिश की गई। वास्तविकता में कौन-कौन से पहलू हैं जो छात्रों को ऐसा आंदोलन करने के लिए मजबूर कर गए—यह समझने का प्रयास किया गया। जहाँ छात्र 15 से 35 लाख तक की फीस देकर सिर्फ पढ़ने के लिए आए हुए हैं, वहाँ इस प्रकार का आंदोलन बताता है कि समस्याएँ कितनी गंभीर रही होंगी। स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ़ इंडिया (स्स्नढ्ढ) मध्य प्रदेश के तीन साथी एक प्रतिनिधिमंडल के रूप में जिला सीहोर स्थित तहसील आष्टा पहुंचे। उन्होंने यूनिवर्सिटी में जाकर पूछताछ करने का प्रयास किया, किंतु यूनिवर्सिटी कैंपस में तैनात सुरक्षाकर्मियों/गार्डों ने उन्हें प्रशासनिक कारण बताते हुए रोक दिया। जिसके बाद प्रतिनिधि सदस्यों ने आसपास के छात्रों से बातचीत की, जो बाहर रहकर यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे थे।

इस विषय को प्रमुखता से आम छात्रों से समझा गया। इसमें मुख्य रूप से यह सामने आया कि छात्र लंबे समय से अपनी समस्याओं को लेकर यूनिवर्सिटी प्रबंधन से बातचीत करने का प्रयास करते रहे, किंतु यूनिवर्सिटी प्रबंधन उन्हें बलपूर्वक दमन करते हुए और व्यक्तिगत रूप से टारगेट कर उनकी समस्याओं को दबाता रहा, जिसके कारण छात्रों का आंदोलन एक गंभीर परिस्थिति में पहुंच गया। छात्रों ने बताया कि चार छात्रावासों में 10,000 से भी अधिक छात्र रहकर अध्ययन कर रहे हैं। सभी छात्रावासों में पीने के पानी की गंभीर समस्या बनी रहती है, जिसके कारण छात्रों को आए दिन पेट संबंधी बीमारियाँ, जॉन्डिस जैसी समस्याएँ हो रही थीं। इसी बीच 800 से भी अधिक छात्र गंभीर रूप से बीमार हुए हैं, जिन्हें अलग-अलग प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों का सामना करना पड़ा है। मुख्य रूप से कई छात्रों को जॉन्डिस, टायफॉइड जैसी समस्याएँ बनी रहती हैं। यूनिवर्सिटी में किसी भी प्रकार की मेडिकल सुविधाएँ, जो छात्रों को सही ढंग से उपचार दे सकें, उपलब्ध नहीं हैं। किसी भी प्रकार के प्राथमिक उपचार की व्यवस्था नहीं है। छात्रों ने बताया कि एक डॉक्टर है, जिसके पास पेरासिटामोल के अलावा कोई दवाई नहीं होती। किसी भी प्रकार की समस्या में सिर्फ एक ही दवा दी जाती है। यह सवाल पैदा होता है कि जब लाखों रुपये की फीस छात्रों से ली जा रही है, तो उनके स्वास्थ्य सुविधाओं का ध्यान क्यों नहीं रखा जा रहा? जब छात्र गंभीर रूप से बीमार होते हैं, तो उन्हें बाहर जाकर इलाज करने की अनुमति भी नहीं दी जाती। ऐसी ही गंभीर समस्याओं पर भी यूनिवर्सिटी अपना रवैया बदलने को तैयार नहीं थी। खाने की गुणवत्ता भी ठीक नहीं की जा रही थी। छात्रों ने बताया कि एक शाम एक छात्र की तबीयत बिगड़ने पर बाहर इलाज के लिए छुट्टी मांगे जाने पर उसे टालते रहे। व्यवस्थाओं पर सवाल उठने पर जब बहस वॉर्डन और एडमिनिस्ट्रेशन तक पहुँची, तो उन्होंने छात्रों पर गार्डों के हाथों लाठीचार्ज कराया।

इसी के कारण आंदोलन निर्णायक रूप से उग्र स्वरूप में सामने आया। 4000 से अधिक छात्र पूरी यूनिवर्सिटी में उग्र रूप से अपना गुस्सा प्रकट कर रहे थे। इस गुस्से के सामने जो भी आया वह इसका शिकार होता चला गया। छात्रों ने किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत हानि नहीं की, किंतु यूनिवर्सिटी का इंफ्रास्ट्रक्चर—फर्नीचर, ऑफिस, किचन आदि—जो भी सामने था, उस पर अपना गुस्सा उतारा। इसके बाद भी यूनिवर्सिटी शीर्ष प्रबंधन अपनी गलतियाँ मानने की बजाय छात्रों पर दमनकारी रवैया अपना रहा था। छात्रों को समझने के बजाय, उन पर फिर लाठीचार्ज किया गया। हालिया बयान में यूनिवर्सिटी के शीर्ष प्रबंधन ने मीडिया से कहा कि यहाँ पानी की कोई समस्या नहीं है और सब कुछ ठीक है। उन्होंने कहा कि आंदोलन में शामिल छात्रों को छोड़ा नहीं जाएगा। यूनिवर्सिटी का रवैया आज भी वैसा ही है, जैसा कि वह इस पूरे घटनाक्रम में अपनी किसी भी भूमिका से इंकार कर रही हो, जबकि सबसे बड़ी भूमिका यूनिवर्सिटी प्रबंधन की ही है, जो पूरी तरह विफल रहा है।

प्रतिनिधिमंडल की इस रिपोर्ट के आधार पर हमारी मांगें

1. किसी भी प्रकार की मुकदमे की प्रक्रिया नहीं चलाई जाए।
2. छात्रों की विभिन्न समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जाए।
3. छात्रों और यूनिवर्सिटी प्रबंधन के बीच संवाद कायम किया जाए।
4. छात्रों की मांगों को यूनिवर्सिटी के सामने रखने वाली एक छात्र इकाई का गठन किया जाए, जिसमें छात्र अपनी समस्याएँ प्रबंधन के सामने रख सकें।
5. छात्रों को प्रताड़ित करना, बैकलॉग लगाना एवं व्यक्तिगत रूप से टारगेट करना तुरंत बंद किया जाए और इस पर प्रबंधन को नियंत्रण करना चाहिए।
6. महंगी फीस देकर छात्र अपना भविष्य बनाने आए हैं—इस बात को ध्यान में रखते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि भोजन और पीने के पानी की गंभीर समस्याओं को अनदेखा न किया जाए तथा इन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

यूनिवर्सिटी से जुड़े हालिया घटनाक्रम और संतोष वर्मा IAS के समर्थन में विरोध प्रदर्शन

रोशनपुरा चौराहा, भोपाल। आज शाम 5 बजे रोशनपुरा चौराहा पर स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (SFI) के साथी और बड़ी संख्या में छात्र एकजुट होकर VIT यूनिवर्सिटी से जुड़े हालिया घटनाक्रम और संतोष वर्मा IAS के समर्थन में विरोध प्रदर्शन हेतु एकत्र हुए। छात्रों ने कहा कि उन पर लगातार बढ़ते हमले, दमन और अत्याचार असहनीय हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्र देश का भविष्य हैं और उनकी आवाज़ को दबाने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जाएगा। छात्रों ने यह भी कहा कि शैक्षणिक संस्थानों का कर्तव्य है कि वे छात्रों की सुरक्षा, स्वतंत्रता और गरिमा की रक्षा करें।

प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने अपनी प्रमुख माँगें इस प्रकार रखीं:

1. किसी भी छात्र पर किसी प्रकार की मुकदमे/कानूनी कार्रवाई न चलाई जाए।
2. छात्रों की विभिन्न समस्याओं का तत्काल और ठोस निराकरण किया जाए।
3. छात्रों और यूनिवर्सिटी प्रबंधन के बीच नियमित संवाद स्थापित किया जाए।
4. एक ऐसी प्रतिनिधि छात्र इकाई का गठन किया जाए जो छात्रों की माँगों और समस्याओं को सीधे प्रबंधन के सामने रख सके।
5. छात्रों को प्रताड़ित करना, बैकलॉग लगाना और व्यक्तिगत रूप से टारगेट करना तुरंत बंद किया जाए तथा इस पर सख्ती से नियंत्रण किया जाए।
6. महंगी फीस जमा करने वाले छात्रों को ध्यान में रखते हुए भोजन और पीने के पानी की गंभीर समस्याओं को अनदेखा न किया जाए, और इन पर त्वरित एवं कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इस विरोध प्रदर्शन में स्स्नढ्ढ के राज्य महासचिव अजय तिवारी, स्स्नढ्ढ के वाइस प्रेज़िडेंट दीपक पासवान, साथी सोनू अहिरवार, लालचंद अहिरवार, आनंद जाटव आदि छात्रों ने अपनी आवाज बुलंद की ।

श्रद्धांजलि सभा एवं विभिन्न जन सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया

जेपी नगर, भोपाल। भोपाल गैस त्रासदी की 41वीं बरसी पर आज स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (स्स्नढ्ढ) तथा भोपाल गैस पीड़ित संघर्ष सहयोग समिति द्वारा संयुक्त रूप से एक श्रद्धांजलि सभा एवं विभिन्न जनङ्कसेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को मुख्य रूप से स्स्नढ्ढ के छात्र साथियों ने संबोधित किया, साथ ही भोपाल गैस पीड़ित संघर्ष सहयोग समिति के सदस्यों ने भी त्रासदी से जुड़े अनुभव, संघर्ष और आज भी जारी न्याय की लड़ाई पर अपने विचार व्यक्त किए। सभा के साथ-साथ कई सामाजिक व जनहित कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिनमें— विज्ञान के चमत्कार प्रदर्शन, आँखों की जाँच शिविर, चश्मा वितरण, आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे। इन सभी गतिविधियों के साथ श्रद्धांजलि सभा भावपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में उपस्थित साथियों ने यह भी कहा कि आज 41 साल बाद भी गैस पीड़ित न्याय की प्रतीक्षा में हैं और सरकार व प्रशासन से मांग की कि पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा, पुनर्वास और स्वास्थ्य सुविधाएँ जल्द सुनिश्चित की जाएँ।

स्टूडेंट से 40 लाख रुपये तक की फीस लेने के बावजूद VIT यूनिवर्सिटी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने में विफल रही है।

सीहोर / भोपाल। स्टूडेंट से 40 लाख रुपये तक की फीस लेने के बावजूद ङ्कढ्ढञ्ज यूनिवर्सिटी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने में विफल रही है। इसी गंभीर घटनाक्रम को लेकर स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (स्न्ढ्ढ) की तीन सदस्यीय टीम ने सोमवार, 1 दिसंबर 2025 को ङ्कढ्ढञ्ज यूनिवर्सिटी कोठरी का दौरा किया और छात्रों से विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने छात्रों से मिलकर हॉस्टल, भोजन, पानी, स्वास्थ्य, सुरक्षा और एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा किए जा रहे दमन जैसी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। प्रतिनिधिमंडल ने पाया कि यूनिवर्सिटी की एडमिनिस्ट्रेटिव बॉडी पूरी तरह विफल रही है, क्योंकि भारी-भरकम

फीस के बावजूद छात्रों को मूलभूत सुविधाएँ भी उपलब्ध नहीं थीं।

कलेक्टर को ज्ञापन और प्रमुख माँगें: प्रतिनिधिमंडल ने पूरे घटनाक्रम को लेकर सीहोर कलेक्टर बालागुरू के. को ज्ञापन सौंपा, जिसमें निम्न प्रमुख माँगें रखी गईं-

1. VIT यूनिवर्सिटी के खिलाफ केस दर्ज किया जाए और प्रशासनिक लापरवाही की निष्पक्ष जांच कराई जाए।
2. छात्रों पर दर्ज सभी स्न्ढ्ढक्र को तुरंत ज़ीरो किया जाए और किसी भी कार्रवाई पर रोक लगाई जाए।
3. यूनिवर्सिटी प्रबंधन की खामियों, सुविधाओं की कमी और छात्रों पर हुए दमन की पूर्ण जाँच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए।
4. हाल ही में हार्ट अटैक से दिवंगत हुए फैकल्टी सदस्य के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए।
5. कुछ वर्ष पूर्व एक छात्र की संदिग्ध मौत, जिस पर यूनिवर्सिटी पर आरोप लगे थे और जिसे यूनिवर्सिटी ने खारिज किया— उसकी भी न्यायिक जाँच कराई जाए।

अहिरवार समाज संघ के द्वारा 6 दिसम्बर को बाबा साहेब अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर दी जायेगी श्रद्धांजलि

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

गाडरवारा। सालीचौका पोड़ार अहिरवार समाज के तत्वावधान में संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर जी का 69 वां महापरिनिर्वाण दिवस समारोह दिनांक 06 दिसम्बर 2025 दिन शनिवार को समय 4 बजे से सालीचौका पोड़ार तिगड़ा तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर मध्यप्रदेश में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सामाजिक लोग उपस्थित होगें। संत रविदास जयंती आयोजन समिति के वरिष्ठ समाजसेवी विनोद मांडले ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि भारतीय संविधान के निर्माता पूज्य बाबा साहेब अम्बेडकर जी है। जिनके परिनिर्वाण दिवस पर अहिरवार समाज के सभी नागरिक एकत्रित होकर बाबा साहेब अम्बेडकर जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। तथा अवसर पर पोड़ार तिगड़ा में राज्य स्तरीय संत रविदास जी की जयंती मनाने के संबंध में अहिरवार समाज के सभी वरिष्ठ समाजसेवी, प्रबुद्ध नागरिकों और युवा कार्यकर्ताओं के द्वारा संत श्री जी की जयंती मनाने के संदर्भ में रुपरेखा तैयार की जायेगी। साथ ही समाज के द्वारा जो निर्णय लिए जायेगें उसे प्रकार भव्य एवं विशाल कार्यक्रम किया जायेगा। गौरतलब हो कि अहिरवार समाज के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी थे, जिन्होंने देश व समाज के खातिर आपनी जान कुर्बान कर अहिरवार समाज को गौरवान्वित किया था। ऐसे महान क्रांतिकारी वीर शहीद को जातिवाद, भेदभाव करने वाले लोगों ने उन्हें शहीद का दर्जा से वंचित कर समाज को अपमानित करने का काम किया है। जिनको सम्मान दिलाने के लिए सरकार से मांग की जायेगी। वही अहिरवार समाज के महान संत मंडला वाले गुरु जी रायसेन में अपने आश्रम से समूची अहिरवार समाज में जागरूकता, चेतना पैदा कर कुरीतियों के वहिष्कार करने के लिए समाज को प्रेरित करते थे। जिनके आश्रम में गुरु जी की मूर्ति लगाने इत्यादि बहुत ही महत्वपूर्ण बाबा साहेब अम्बेडकर जी की पुण्यतिथि पर सामाजिक लोगों द्वारा परिचर्चा कर फैसले लिए जायेगें। सालीचौका, पोड़ार, आड़ेगांव, डुमरिया, खैरुआ, मोपाह, सहावन, ड़िगसरा, धनोरी, देतपोन, इत्यादि गांवों के अहिरवार समाज के सभी नागरिकों ने पूरी तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर की अहिरवार समाज से उक्त कार्यक्रम में पधारने की अपील की है।

श्री बी एस परतेती प्रदेश अध्यक्ष का दो दिवसीय भोपाल प्रवास व कार्यक्रम

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

भोपाल। 27 नवंबर 2025 को गोंड समाज महासभा प्रदेश अध्यक्ष श्री बीएस परतेती जी भोपाल पहुंचकर सामाजिक समस्याओं एवं समाज हित के लिए मांग पत्राचार के लिए संबंधित अधिकारियों से मुलाकात किये एवं गोंड समाज महासभा भोपाल जिला संरक्षक तिरु. मुकेश मरावी जी के सुपुत्र एवं पुत्रवती को आशीर्वाद समारोह एवं रिसेप्शन के कार्यक्रम में शामिल हुए। गुरुवार को श्री बीएस परतेती जी राजपत्रित अधिकारी पुलिस आवासीय परिसर लाल परेड ग्राउंड के पास भोपाल में आकर के ठहरे जहां पर श्री राजेश गोंड जी डीन पीपुल्स मेडिकल कॉलेज भोपाल उनसे मिलने आए उन्हें गोंड समाज महासभा की ओर से गोंड समाज का सामाजिक दर्शन पुस्तक भेंट किया गया। इस मौके पर श्री बीएस परतेती जी के साथ आए सहत लाल सरूते जी, संजू वाडीवा एवं अरुण परतेती जी उपस्थित रहे। दिन में 2:00 बजे मंत्रालय के वल्लभ भवन पहुंचकर श्री केवल राम धुर्वे जी अवर सचिव मुख्यमंत्री भोपाल जो कि प्रदेश संरक्षक हैं गोंडी भाषा संरक्षण संवर्धन प्रकोष्ठ गोंड समाज महासभा मध्य प्रदेश एवं श्री तेज सिंह उईके अनुभाग अधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय भोपाल को गोंड समाज का सामाजिक दर्शन पुस्तक भेंट किया गया। साथ ही समाज की मुख्य समस्या एवं मांगों को लेकर के पत्राचार किया गया। श्री केवल राम धुर्वे जी से गोंडी भाषा लिपि एवं अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा किया गया। इस अवसर पर श्री केवल राम धुर्वे जी, तेज सिंह उईके जी, श्री बीएस परतेती जी, श्री सहत लाल सरौते जी, श्री जीएस मर्सकोले जी, श्रीमती दीपशिखा ध्रुव जी, संजू वाडीवा आदि उपस्थित रहे। दिन में 4:00 लगभग जनजातीय कार्य विभाग कार्यालय में श्री नरेंद्र सिंह धुर्वे जी संयुक्त निदेशक वित्त विभाग म.प्र. से मुलाकात किये एवं गोंड समाज का सामाजिक दर्शन किताब भेंट किया गया। सामाजिक समस्याएं एवं मांग को लेकर के पत्राचार किया गया एवं सामाजिक विषयों पर विस्तार से चर्चा किया गया। इस अवसर पर श्री नरेंद्र सिंह धुर्वे जी, श्री बीएसस परतेती जी, जीएस मर्सकोले जी, सेहत लाल सरूते जी, एवं संजू वाडीवा उपस्थित रहे। मध्यप्रदेश के जनजाति समाज की मुख्य समस्या एवं मांग महामहिम राज्यपाल व मुख्यमंत्री,आयुक्त जनजाति कार्य विभाग को प्रेषित पत्राचार के विषय इस तरह से थे।

1. प्रदेश के जनजातीय देवालय, पेनठानाओं के जीर्णोद्धार विकास के लिए राशि आबंटित किए जाने।
2. गोंडवाना कालीन ऐतिहासिक धरोहर महल, किले, बावड़ी आदि के जीर्णोद्धार व अतिक्रमण मुक्त कराने।
3. मंडला जिला मुख्यालय में स्थापित वीरांगना रानी दुर्गावती मरावी जी की प्रतिमा परिसर का सौंदर्यीकरण व अष्टधातु की प्रतिमा पुनर्स्थापित करने।
4. मध्यप्रदेश में गोंड विकास प्राधिकरण का गठन करने।
5. सिवनी जिले के अन्तर्गत धरती आबा उत्कर्ष ग्राम सिंदरादेही के पास वन विभाग परिक्षेत्र में बने तालाब का विस्तारीकरण करने।

आदि समस्याओं के निराकरण एवं मांग पत्र शामिल थे। शाम 7:00 बजे युवा प्रकोष्ठ प्रदेश संरक्षक श्री जीएस मर्सकोले एवं महिला प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती अंजना मर्सकोले जी के निवास पर पहली बार श्री बीएस परतेती जी एवं सेहत लाल सरौते जी के पहली बार आगमन पर हल्दी चावल का तिलक कर पीला गमछा से उनका स्वागत किया गया। स्वल्पाहार के दौरान सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विषय पर विस्तार से चर्चा किया गया। इस मौके पर श्री बीएस परतेती जी, श्री सहत लाल सरोते जी, जीएस मर्सकोले जी, श्रीमती अंजना मर्सकोले जी, एवं संजू वाडीवा उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)